● **सुनो, समझो और गाओ :**

# २. तूफानों से क्या डरना

*– शिखा शर्मा*

**परिचय :** शिखा शर्मा प्रसिद्‌ध कवयित्री मानी जाती हैं ।
प्रस्तुत कविता में मनुष्य की जुझारू वृत्ति को दर्शाया गया है ।

**स्वयं अध्ययन**

✲ चित्र देखकर हाव-भाव की नकल करो ।

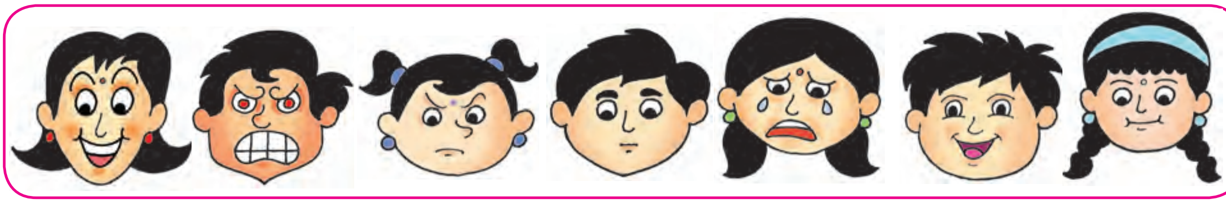

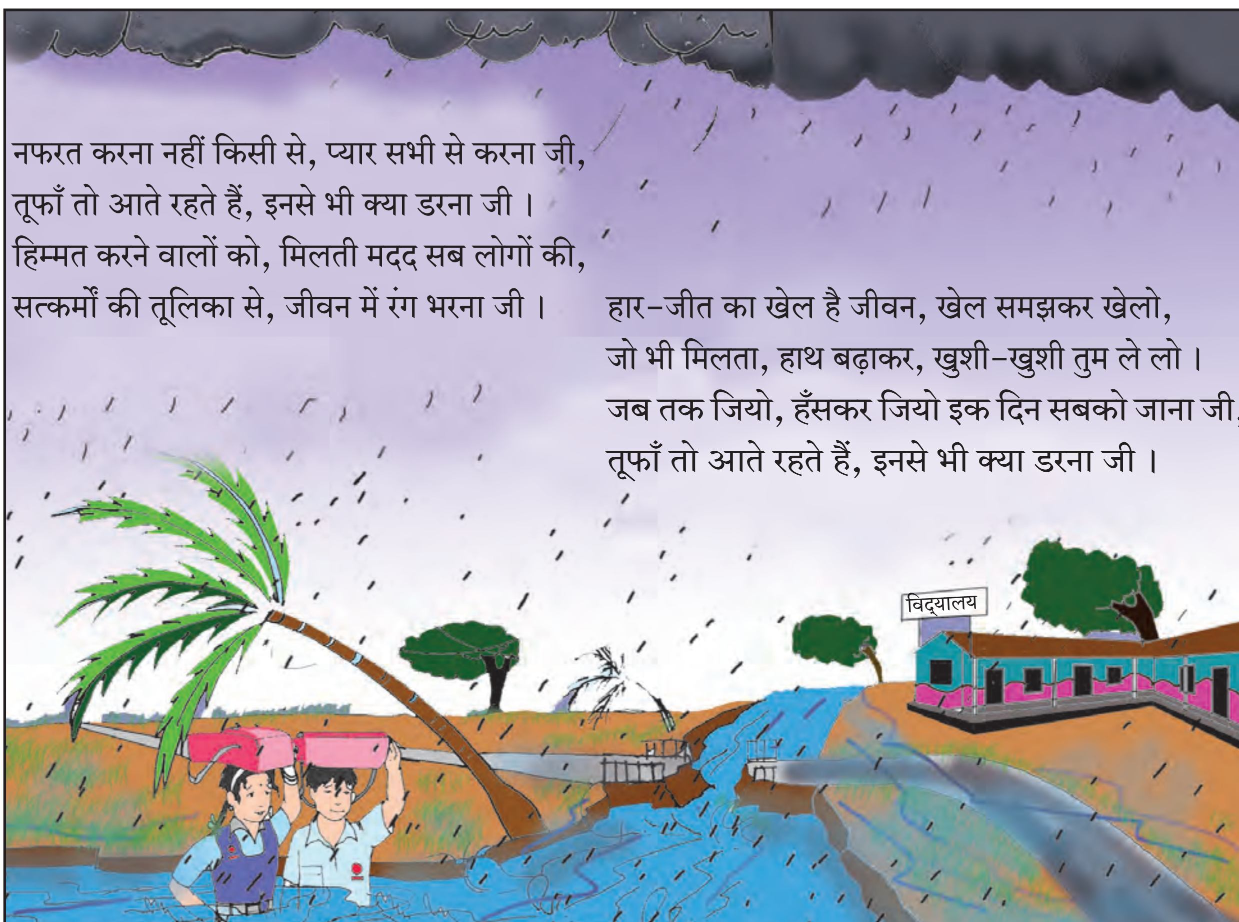


नफरत करना नहीं किसी से, प्यार सभी से करना जी,
तूफाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।
हिम्मत करने वालों को, मिलती मदद सब लोगों की,
सत्कर्मों की तूलिका से, जीवन में रंग भरना जी ।

हार-जीत का खेल है जीवन, खेल समझकर खेलो,
जो भी मिलता, हाथ बढ़ाकर, खुशी-खुशी तुम ले लो ।
जब तक जियो, हँसकर जियो इक दिन सबको जाना जी,
तूफाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।

❑ विद्‌यार्थियों का ध्यान लयात्मकता की ओर आकर्षित करते हुए कविता शीघ्रता से कहलवाएँ । उनसे मुखर वाचन, मौन वाचन करने के लिए कहें, फिर नए शब्दों के अर्थ पूछें । कविता में आए जीवन मूल्यों पर गहन विश्लेषणात्मक चर्चा कराएँ ।

## खोजबीन

भारतीय स्थानीय समय के अनुसार देश-विदेश के समय की तालिका बनाओ ।

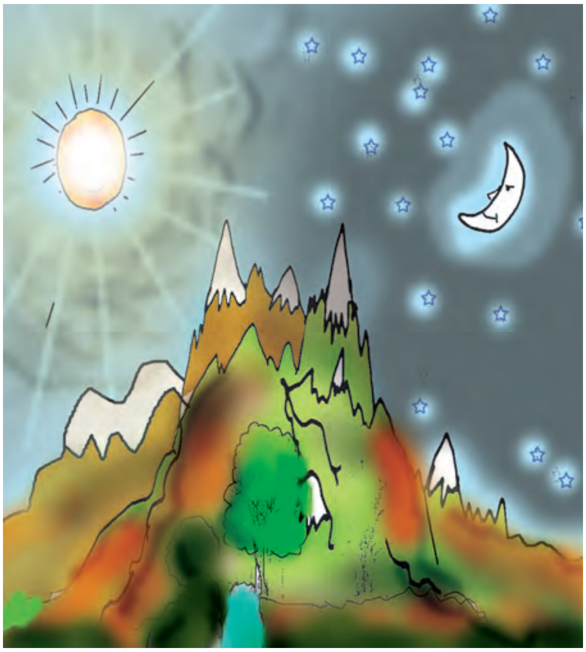

धूप-छाँव जीवन का हिस्सा, कभी उजाला, कभी अँधेरा,
रात हो चाहे जितनी लंबी, उसका भी है अंत सवेरा ।
समय एक-सा कभी न रहता, थोड़ा धीरज धरना जी,
तूफाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।

देह-अभिमान के कारण, देखो कितनी महामारी है,
सबको सच्ची राह दिखाना, अपनी जिम्मेदारी है ।
आत्मज्ञान के दीप जलाकर, दूर अँधेरा करना जी,
तूफाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।

## मैंने समझा

-----------------------------------------------------------------------------------
-----------------------------------------------------------------------------------

## शब्द वाटिका

**नए शब्द**
सत्कर्म = अच्छा कार्य
अभिमान = घमंड
महामारी = संक्रामक भीषण रोग
तूलिका = ब्रश
धीरज = धैर्य
आत्मज्ञान = स्वंय का ज्ञान
देह = शरीर

## भाषा की ओर

कविता में आए किन्हीं पाँच शब्दों के विरुद्‌धार्थी शब्द लिखो ।

............ × ............    ............ × ............
............ × ............    ............ × ............
............ × ............

### सुनो तो जरा

रेडियो पर एकाग्रता से भजन सुनो और दोहराओ ।

### बताओ तो सही

'साक्षरता अभियान' के बारे में जानकारी बताओ ।

### वाचन जगत से

मीरा का पद पढ़ो और सरल अर्थ बताओ ।

### मेरी कलम से

महीने में एक बार कविता का श्रुतलेखन करो ।

### जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि समय का चक्र रुक जाए तो ......

✻ इस कविता का सार लिखो ।

### सदैव ध्यान में रखो

हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए ।

### विचार मंथन

।। करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ।।

### अध्ययन कौशल

समाज सेवी महिला की जीवनी पढ़कर प्रेरणादायी अंश चुनो और बताओ ।

KLFR5A

### समझो हमें

✻ पंचमाक्षर (ङ, ञ,ण,न,म) के अनुसार पतंगों में उचित शब्दों की जोड़ियाँ मिलाओ ।

जैसे-कंगना

कंगना, संघमित्रा
पंख, कंकाल

चंचल, जंजाल
पंछी, झंझा

गंधर्व, अंदर
अंतिम, मंथन

कंठ, डंडा
पंढरी, घंटा

चंबल, इंफाल
अचंभा, चंपारन